

प्रेषक,

डा० रंजीत कुमार सिन्हा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 27 दिसम्बर, 2010

विषय :- वित्तीय वर्ष 2010-11 में संस्कृति विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

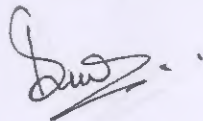
उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1400/स०नि०उ०/दो-3/2010-11 दिनांक-19-10-2010, के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि वित्तीय वर्ष 2010-11 में संस्कृति विभाग के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित रू० 344.35 लाख (रू० तीन करोड़ चवालीस लाख पैंतीस हजार) मात्र की धनराशि संलग्न 'क' में दिये गये विवरणानुसार आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

i) उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष आरहण/व्यय यथा आवश्यकता मितव्ययता को ध्यान में रखकर संगत मानकों एवं दिशा निर्देशों के आलोक में मासिक व्यय की सारिणी बनाकर नियमानुसार किया जायेगा तथा इस सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-187/XXVII (1)/2010 दिनांक-30 मार्च 2010 में विहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यह स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल, या वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है।

ऐसा व्यय संबंधित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाना चाहिए।

ii) धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययिता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनदेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे जाय।

iii) धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया गया। धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृति की जा रही है। व्यय में मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे जाय।



IV) उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।

V) धनराशि का आहरण बजट की सीमान्तगत ही किया जाय, किसी भी दशा में धनराशि का आहरण परिव्यय एवं बजट व्यवस्था की सीमा से अधिक नहीं किया जाय।

VI) इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 के उपर्युक्त अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2205 में संलग्न 'क' दिये गये विवरणानुसार संगत मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-751 (P)/XXVII(3)/2010 दिनांक-21 दिसम्बर, 2010 द्वारा प्रदत्त आदेश से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

भवदीय

(डा0 रंजीत कुमार सिन्हा)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 85/ /VI-I/2010-71 (7)/2010 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3।
4. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 5. एन0आई0सी0, सचिवालय देहरादून।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव

संलग्नक- 'क'

शासनादेश संख्या- 85/ /VI-2/2010/71(7)/2010, दिनांक- 27/2/19 का संलग्नक

अनुदान संख्या-11 आयोजनागत

धनराशि (हजार रुपये में)

लेखाशीर्षक 2205- कला एवं संस्कृति-00-001 निदेशन एवं प्रशासन-03 सांस्कृतिक कार्य निदेशालय-00-

क्र0स0	मानक मद का नाम	
1.	01-वेतन	250
1.	03- महगाई भत्ता	75
2.	06-अन्य व्यय	135
3.	42-अन्य व्यय	15000
	योग	15460

अनुदान संख्या-11 आयोजनागत

धनराशि (हजार रुपये में)

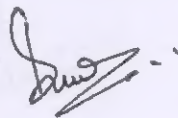
लेखाशीर्षक 2205- कला एवं संस्कृति-00-101 ललित कला शिक्षा-03 भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय-00-

क्र0स0	मानक मद का नाम	
1.	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	200
	योग	200

अनुदान संख्या-11 आयोजनागत

लेखाशीर्षक 2205- कला एवं संस्कृति-00-102-कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन धनराशि (हजार रुपये में)

क्र0स0	मानक मद का नाम	
1.	03- स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान-00 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	4000
	34- धार्मिक यात्राओं हेतु प्रदेश के स्थायी निवासियों को आर्थिक सहायता-00	
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	500
	35-मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता-00	
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	8100
	36-संस्कृति के विभिन्न आयामों का ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण-00	1000
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	
	37-स्पर्श गंगा कार्यक्रम का आयोजन-00	
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	5000
	योग	20481

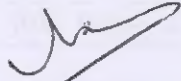


अनुदान संख्या-11

लेखाशीर्षक 2205-कला एवं संस्कृति-00-107 संग्रहालय-03 अधिष्ठान व्यय-00- धनराशि (हजार रुपये में)

क्र०स०	मानक मद का नाम	
1.	09-विद्युत देय	175
	योग	175
	कुल योग	34435

(रु० तीन करोड़ चवालीस लाख पैंतीस हजार)


(एस०एस०वल्दिया)
उपसचिव

28/201